पीटीआई भर्ती में धांधली : 21 शारीरिक शिक्षकों की ग्रेजुएशन डिग्री ही फर्जी

एस.ओ.जी. ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच पड़ताल

जयपुर। शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा-2022 में चयनित हुए इक्कीस पीटीआई की ग्रेजुएशन की डिग्री ही फर्जी पाई गई है। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) अब इन इक्कीस पीटीआई के खिलाफ नया मुकदमा दर्ज किया है।

एसओजी एडीजी वी के सिंह ने बताया कि शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा-2022 में फर्जी डिग्री मामले की जांच के दौरान आवेदकों और चयनित अभ्यर्थियों के राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड से दस्तावेज लेकर विश्लेषण किया गया। इस दौरान पता चला कि भुखरेड़ी (चूरू) निवासी नरेंद्र सिंह, मालूका (भरतपुर) निवासी वीरेंद्र सिंह, श्यामोली (सवाईमाधोपुर) निवासी हनुमान गुर्जर, भाकरोद (नागौर) निवासी नारायण भाकल, तिघरिया (करौली) निवासी निरंजन सिंह, डबोक (डीग) निवासी बलवीर, खेड़ला बुजुर्ग (दौसा) निवासी वीरेंद्र सिंह, मेहरादासी (झुंझुनू) निवासी बुलकेश कुमारी, कोल्याणा (जयपुर) निवासी कुसुमलता गुर्जर, मेहरदासी (झुंझुनू) निवासी सुरेंद्र कुमार, भोजपुरा (जयपुर) निवासी दुर्गेश कसाना, भाकरोद (नागौर) निवासी महेंद्र, सुरोठ (करौली) निवासी दीपक गुर्जर, खावडा (दौसा) निवासी राजन सिंह, नानवास (झुंझुनू) निवासी कृष्ण कुमार, कापूरा मालूका (भरतपुर) निवासी हेमसिंह, चौधरीपुरा (करौली) निवासी रामलखन मीना, लुबडावास (जयपुर) निवासी महेश कुमार गुर्जर, झलाटाला (भरतपुर) निवासी प्रशांत गुर्जर, गुड़ला (करौली) निवासी नीरज जाटव और सांचौर (जालौर) निवासी कमला कुमारी की ग्रेजुएशन की डिग्री ही फर्जी पाई गई है।

एसओजी एडीजी ने बताया कि पीटीआई भर्ती में चयन के बाद इन सभी अभ्यर्थियों ने हिमाचल प्रदेश की अरनी विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन होने की बात कही।उन्होंने अपनी ग्रेजुएशन की मार्कशीट बीपीएड कोर्स के लिए उत्तर प्रदेश के शिकोहाबाद स्थित जेएस विश्वविद्यालय में पेश करने की जानकारी दी।

एसओजी ने अरनी विश्वविद्यालय से 2016 से 2020 के बीच ग्रेजुएशन करने वालों की सूची हासिल की तो इन 21 अभ्यर्थियों में से किसी का भी नाम नहीं मिला। नियुक्ति के समय इन्होंने बीपीएड की मार्कशीट शिकोहाबाद (उत्तर प्रदेश) स्थित जेएस यूनिवर्सिटी की पेश की। इनके द्वारा आवेदन के समय और नियुक्ति के समय पेश की गई मार्कशीट में भी अंतर पाया गया है। जांच में सामने आया कि इन्होंने जेएस यूनिवर्सिटी से बैक डेट में फर्जी अंकतालिका और डिग्री लेकर नौकरी हासिल की है।

गौरतलब है कि पीटीआई भर्ती के आवेदकों और चयनित अभ्यर्थियों के एसओजी ने दस्तावेज खंगाले तो यह चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि इन्होंने बिना ग्रेजुएशन किए बीपीएड की फर्जी डिग्री लेकर नौकरी हासिल कर ली। अब एसओजी इन पीटीआई पर शिकंजा कसने की तैयारी कर रही है।

देवनानी ने निम्बार्क तीर्थ में श्याम शरण देवाचार्य के दर्शन किये

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को श्री निम्बार्क तीर्थ सलेमाबाद में स्थित अखिल भारतीय जगद्गुरु श्री निम्बार्काचार्य पीठ में पहुँचकर श्री श्री श्याम शरण देवाचार्य के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर देवनानी ने देवाचार्य का दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया। देवनानी ने देवाचार्य को विधानसभा की स्मृति स्वरूप वार्षिक डायरी भेंट की। देवाचार्य ने भारतीय नववर्ष के अनुसार प्रकाशित की गई डायरी प्रकाशन की अभूतपूर्व पहल के लिये देवनानी को बधाई दी। देवनानी और देवाचार्य के मध्य आध्यात्म, सनातन संस्कृति और समाज सेवा से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

'गौशालाओं की मॉनिटरिंग के लिये कमेटी बनाएंगे'

प्रदेश की गौशालाओं में सुधार को लेकर सोमवार को पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में गोपालन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

जयपुर। प्रदेश की गौशालाओं में सुधार को लेकर सोमवार को पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में गोपालन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

बैठक में गौशालाओं को समय पर अनुदान देने, गौशाला की भूमि पर हुए अतिक्रमण हटवाने, गौ तस्करी कानून को और अधिक सख्त बनाने, मृत गौमाता के शव को समाधि देने के लिए अतिरिक्त भूमि का आवंटन करने की गौ सेवा समितियों के प्रतिनिधियों की मांग पर विचार विमर्श किया गया। इसके अलावा गौशालाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए ऑर्गेनिक खाद का विपणन सहकारी समितियों के माध्यम से करवाने, गौ-अर्क की बिक्री आयुर्वेद विभाग के माध्यम से करवाने के लिए उचित व्यवस्था कराने, गौशालाओं की शाखा खोलने के लिए नियमों में शिथिलता प्रदान करने, बछड़ों का बधियाकरण कराने, प्रदेश में गाय के कृत्रिम गर्भाधान के लिए उसी नस्ल का सीमन इस्तेमाल करने के सुझावों पर भी चर्चा हुई। गोपालन मंत्री ने सभी विषयों पर गहन विचार विमर्श के बाद गौशाला प्रतिनिधियों को उचित निर्णय लेने का आश्वासन दिया।

कुमावत ने बताया कि गौशालाओं में व्यवस्थाओं की प्रभावी मोनिटरिंग के लिए जिला व राज्य स्तरीय कमेटियों में दो-दो सदस्य शामिल करने के प्रस्ताव पर राज्य स्तर पर निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि गौशालाओं को समय पर अनुदान की राशि मिले इसके लिए वार्षिक कैलेंडर बनाया जाएगा। साथ ही गौशालाओं की भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटवाने के लिए सभी जिला कलेक्टर्स को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। इस मौके पर गोपालन विभाग के निदेशक प्रहलाद राय नागा, राजस्थान गौ सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद राम शास्त्री व पूर्व अध्यक्ष गोविंद गिरी, श्रीपति धाम गौशाला, सिरोही के संचालक गोविंद वल्लभ, रघुनाथ सिंह राजपुरोहित सहित गोपालन विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

देवनानी से कुलगुरु गर्ग की मुलाकात

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से सोमवार को विधानसभा में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य अखिल रंजन गर्ग ने शिष्टाचार मुलाकात की। गर्ग ने देवनानी को पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

गर्ग ने देवनानी को बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय की गतिविधियों की जानकारी दी। गर्ग ने देवनानी को 2 जून को विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में आने का निमंत्रण दिया। देवनानी बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में 2 जून को बीकानेर में दीक्षांत व्याख्यान देंगे।

कांग्रेस की जय हिंद सभा पूर्ण रूप से कांग्रेस की खीज सभा : राजेंद्र राठौड़

■ 'कांग्रेस की सभा में बही झूठ, फरेब और पाखंड की त्रिवेणी'

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने कांग्रेस की जय हिंद सभा को खीज सभा बताते हुए कांग्रेस नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को सिरे से खारिज कर दिए। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बीकानेर में ऐतिहासिक सभा के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में जाकर कांग्रेस नेताओं ने रैली में झूठ, फरेब और पाखंड की ऐसी त्रिवेणी बहायी जिसने भी सुना उसे उनके ज्ञान पर तरस ही आया।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कहते है कि संघ परिवार का तिरंगे में विश्वास नहीं है, नागपुर मुख्यालय पर तिरंगा नहीं फहराया। यह उनके अल्पज्ञान का द्योतक है क्योंकि उस कालखंड में केवल सरकारी इमारतों पर ही तिरंगा फहराने की ही अनुमति थी, जबसे सर्वोच्च न्यायालय ने जिंदल मामले में इसे आम आदमी का अधिकार बताया, तब से संघ मुख्यालय पर भी ध्वजारोहण होता है। उन्होंने कहा कि 1930 में कांग्रेस लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज का जब प्रस्ताव पारित हुआ था, उस समय राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक डॉ हेडगेवार ने शाखाओं पर स्वतंत्रता दिवस मनाने के निर्देश दिए। कांग्रेस राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को बार बार टारगेट करती है लेकिन यह भूल जाती है कि स्वतंत्रता आंदोलन में डॉ हेडगेवार सहित 6 हजार से ज्यादा स्वयं सेवक 9 माह तक जेल में रहे थे। कांग्रेस का संघ के खिलाफ फैलाया जा रहा झूठ अब चलने वाला नहीं है।

राठौड़ ने कहा कि देश पर जब संकट होता है तो कोई भी राष्ट्र भक्त ईमानदारी से अपने देश के साथ खड़ा होता है, लेकिन देश की सबसे पुरानी पार्टी में ऐसे लगता है अपने अंग्रेज संस्थापकों का डीएनए बाकी है जिसके कारण उनका देश के प्रति कोई कर्तव्यभाव नजर नहीं आता। वे आज भी फूट डालो राज करो की नीति पर कार्य कर रहे है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में 8 जनवरी 2013 को पाकिस्तानी सैनिक भारतीय सैनिक का सिर काटकर ले गए थे। तब की कांग्रेस सरकार ने ना सर्जिकल स्ट्राइक की, ना कोई पाकिस्तान के खिलाफ किसी प्रकार की कोई कार्रवाई की। कांग्रेस डोजियर भेजने में विश्वास करती रही और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डॉयरेक्ट एक्शन में विश्वास करते है। यहीं कारण है कि 1965 और 1971 के युद्ध में भी जो सिंधु जल समझौता रद्द नहीं हुआ, वो पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने निलंबित कर दिया। हमारा स्पष्ट मत है खून और पानी साथ नहीं बहता तथा ना ही टॉक और टेरिज्म साथ साथ चल सकते है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ना देश के प्रधानमंत्री की बात पर भरोसा है, ना ही सेना के अधिकारियों की बात पर विश्वास है। इन्हें एक विदेशी राष्ट्राध्यक्ष के ट्विट पर एतबार है। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री यह स्पष्ट कर चुके है कि पाकिस्तान से बात केवल पाक अधिकृत कश्मीर पर और उसके द्वारा फैलाए गए आतंकवाद पर ही होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेहतर प्रबंधन और नेतृत्व से भारत बनी विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था : मदन राठौड़

■ 'प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल के कार्यकाल में भारत बना समृद्ध, संपन्न और सुरक्षित'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारत आधिकारिक तौर पर जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। यह संभव हो पाया है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और बेहतर प्रबंधन के चलते। मोदी के नेतृत्व में देश समृद्ध हुआ, संपन्न हुआ और सुरक्षित हुआ है। 2014 से पहले जहां भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में 11वें पायदान पर थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के विजन के चलते देश तरक्की की राह पर चला और 11 से चौथे नंबर पर अर्थव्यवस्था आ गई। इतना ही नहीं, भारत के शीर्ष नेतृत्व के प्रबंधन के चलते शीघ्र ही तीसरे पायदान पर पहुंच जाएगा।

राठौड़ ने प्रदेश कार्यालय में मीडिया से वार्ता करते हुए बताया कि इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड के आंकड़ों के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था 4.187 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की हो गई। भारत ने जापान को पछाड़कर यह पायदान हासिल किया है। अब अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद चौथी अर्थव्यवस्था भारत की है। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हर वर्ग, हर समुदाय और हर क्षेत्र के विकास के लिए कार्य योजनाएं तैयार की, फिर चाहे वो कृषि क्षेत्र हो, चिकित्सा क्षेत्र हो, शिक्षा क्षेत्र हो या फिर युवा, महिला, किसान और गरीब के कल्याण एवं उत्थान के कार्य हो। मोदी ने पिछले 11 सालों में देश के इन्फ्रास्ट्रेक्चर को बेहतर करने के साथ सेना को मजबूत किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज विश्व भी भारत का लोहा मान रहा है। पहले जहां हम अधिक आयात करने की स्थिति में थे, वहीं आज भारत अधिक से अधिक निर्यात करने की स्थिति में आ गया है। विश्व में भारत की साख अन्य देशों की तुलना में अधिक है। जबकि हमारे से उपर चीन की अर्थव्यवस्था है, लेकिन चीन की विश्वसनीयता, प्रतिष्ठा विश्व में नहीं है। ऐसे में हमारे शीर्ष नेतृत्व का आभार और धन्यवाद, जिसने भारत को आर्थिक रूप से सशक्त करने का काम किया।

कांग्रेस नेता अल्पज्ञानी, झूठ के भरोसे चलाना चाहते है अपनी दुकान : राठौड़

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्र भक्ति का ढ़ोंग करते हुए रैली का नाम तो जय हिंद रख दिया, लेकिन बातें देश को विभाजित करने वाली ही करते रहे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने अपनी 100 साल की यात्रा में राष्ट्र सेवा के नए आयाम स्थापित किए हैं। आज जिस प्रकार संघ के राष्ट्रीय विचार को समाज के सभी वर्गों द्वारा स्वीकारा और समर्थित किया जा रहा है, वहीं कांग्रेस के नकारात्मक तथा समाज को तोड़ने वाली नीतियों को जनता द्वारा दरकिनार किया जा रहा है। उसके कारण कांग्रेस संघ फोबिया से ग्रसित हो गई है।

राठौड़ ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत कहते है कि संघ परिवार का तिरंगे में विश्वास नहीं है, नागपुर मुख्यालय पर तिरंगा नहीं फहराया। यह उनके अल्पज्ञान का द्योतक है क्योंकि उस कालखंड में केवल सरकारी इमारतों पर ही तिरंगा फहराने की ही अनुमति थी, जबसे माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने जिंदल मामले में इसे आम आदमी का अधिकार बताया, तब से संघ मुख्यालय पर भी ध्वजारोहण होता है। कांग्रेस के नेता पूछते है सीजफायर क्यों किया, इसके बारे में देश के विदेश मंत्री, देश की सेना के अधिकारी और स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश और दुनिया को बता चुके है कि पाकिस्तान द्वारा रखे गए सीजफायर के प्रस्ताव को भारतीय सेना ने अपनी शर्तों पर स्वीकार किया है। देश पर जब संकट होता है तो कोई भी राष्ट्र भक्त ईमानदारी से अपने देश के साथ खड़ा होता है, पर तरस आता है कि देश को जब जरूरत है तब कांग्रेस अपने तुच्छ राजनीतिक लाभ के लिए अनर्गल बयानबाजी कर रही है।

सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता फैलाएगा शिक्षा विभाग

जयपुर। सड़क सुरक्षा स्कूल शिक्षा परियोजना पर सहयोग हेतु प्रस्ताव के संबंध में सचिवालय में सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी, जिसकी अध्यक्षता शिक्षा शासन सचिव श्री कृष्ण कुणाल ने की। बैठक का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए व्यवहारगत परिवर्तन को प्रोत्साहित करना रहा। इस मौके पर शासन सचिव ने विद्यालयों के आसपास बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए पाठ्यक्रमों में रोड सेफ्टी पाठ्यक्रम को शामिल करने पर जोर दिया। शिक्षा विभाग इसके लिए एनजीओ से संपर्क साधेगा।

कृष्ण कुणाल ने सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए प्रत्येक विद्यालय की किसी एक दीवार पर सड़क सुरक्षा से जुड़े नियम और सुरक्षा चिन्हों को पेंट करने के निर्देश दिए। साथ ही एक टीचर्स ट्रेनिंग और अवेयरनेस कैंपेन चलाने पर जोर दिया। शिक्षा विभाग के मनोनीत अधिकारी से समन्वय स्थापित करके उनके मार्गदर्शन में राष्ट्रीय राजमार्गों और व्यस्त सड़कों के निकट स्थित 50 सरकारी विद्यालयों का चयन कर कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा। प्रत्येक विद्यालय से 2/3 शिक्षकों का चयन कर उनके लिए तीन दिवसीय ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में शिक्षा विभाग जल्द सड़क सुरक्षा पर काम करने वाली एक निजी संस्थान मुस्कान फाउंडेशन से औपचारिक एमओयू साइन करेगा।

इस अवसर पर राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अनुपमा जोरवाल, निदेशक प्रारंभिक शिक्षा सीताराम जाट, परिवहन आयुक्त, जिला कलेक्टर जयपुर, डिप्टी कमिशनर ऑफ पुलिस ट्रैफिक, मुस्कान फाउंडेशन एवं जिले के गैर सरकारी विद्यालयों के प्रतिनिधि शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल रहे।

कहानी विधा के लिए स्वयं प्रकाश स्मृति सम्मान की प्रविष्टियां आमंत्रित

दिल्ली। साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में कार्यरत संस्थान 'स्वयं प्रकाश न्यास' ने सुप्रसिद्ध साहित्यकार स्वयं प्रकाश की स्मृति में दिए जाने वाले वार्षिक सम्मान के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की हैं। न्यास द्वारा जारी विज्ञिप्त में बताया गया कि राष्ट्रीय स्तर के इस सम्मान में कहानी विधा की किसी ऐसी कृति को दिया जाएगा, जो सम्मान के वर्ष से अधिकतम छह वर्ष पूर्व प्रकाशित हुई हो। वर्ष 2025 के सम्मान के लिए 1 जनवरी 2021 से 31 दिसंबर 2024 के मध्य प्रकाशित कहानी संग्रहों पर विचार किया जाएगा। कृतिकार की आयु सीमा 50 वर्ष रखी गई है। सम्मान के लिए तीन निर्णायकों की एक समिति बनाई गई है जो प्राप्त प्रस्तावों पर विचार कर किसी एक कृति का चुनाव करेगी। सम्मान में ग्यारह हजार रुपये, प्रशस्ति पत्र और शॉल भेंट किये जाएंगे।

'दोहरा चरित्र कांग्रेस की फ़ितरत है, पूरे देश में नीति और व्यवहार से कांग्रेस नकार दी गई'

अशोक गहलोत के बयान पर डॉ.सतीश पूनिया का पलटवार

जयपुर। कांग्रेस नेता पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बाड़मेर में दिए गए बयान पर हरियाणा भाजपा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने पलटवार कर कहा कि, कभी हिंद की सेना से प्रमाण मांगने वाले आज कांग्रेसी सभा कर रहे हैं, चुनौतियों में जब देश एकजुट होता है तब भी ये सियासत करते हैं, दोहरा चरित्र कांग्रेस की फ़ितरत है, इसीलिए पूरे देश में नीति और व्यवहार से नकार दी गई है, कांग्रेसी नेताओं के पास अनर्गल भाषण और नेहरू गांधी ख़ानदान की चरण वंदना के अलावा कुछ बचा नहीं है।

■ 'कांग्रेसी नेताओं के पास अनर्गल भाषण और नेहरू गांधी ख़ानदान की चरण वंदना के अलावा कुछ नहीं बचा'

भाजपा प्रदेश कार्यालय में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया और अरूण चतुर्वेदी प्रेस से रूबरू हुए।

डॉ. पूनिया ने कहा कि, भारत की सेना ने आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के तहत अपना पराक्रम दिखाया और आतंकवादियों को सबक सिखाया, उससे पूरी दुनिया में हमारी जांबाज सेना और हमारे मजबूत नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा हो रही है, सेना और नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर पूरे देश की जनता को गर्व है, इसके बावजूद कांग्रेस घटिया राजनीति करने से बाज नहीं आ रही है, सेना की बहादुरी एवं तिरंगा यात्राओं के सफल आयोजनों से कांग्रेस पूरी तरह बौखलाई हुई है।

उन्होंने कहा कि हमारे देश का सांस्कृतिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जो सदैव देश की सेवा में जुटा रहता है उसका मजाक उड़ाना भी कांग्रेस नेतृत्व की फितरत बन चुकी है, जिसकी साफ झलक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बाड़मेर में दिए गए बयान में दिखी, जिन्होंने भारत की सेना के पराक्रम से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अमर्यादित एवं अलोकतांत्रिक बयान दिया है। पूरा देश एकता एवं अखंडता के साथ आतंकवाद से डटकर मुकाबला कर रहा है, आतंकवाद के खिलाफ की गई कार्रवाई की भारत की सेना और भारत के नेतृत्व की पूरी दुनिया समर्थन कर रही है, ऐसे में देश पर इमरजेंसी थोपने वाली एवं भ्रष्टाचार की जनक कांग्रेस के नेता देश के स्वाभिमान का मजाक उड़ा रहे, जिससे जनता अच्छे से वाकिफ है।

डॉ. पूनिया ने कहा कि, अशोक गहलोत बताएं कि भारत के सैनिकों ने आधुनिकतम स्वदेशी तकनीक के जरिये ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादियों और आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया, क्या यह आपको और दिल्ली में बैठे आपके कांग्रेस आलाकमान को पच नहीं रहा है, जब पूरी दुनिया आतंवादियों के खिलाफ भारत की कार्रवाई का समर्थन कर रही है तो कांग्रेस के नेता और कांग्रेस नेतृत्व किसके कहने पर भारत के मजबूत नेतृत्व के खिलाफ बोल रहे हैं?

पशु चिकित्सकों को पॉलीक्लिनिक में नियुक्त करने के निर्देश

जयपुर। शासन सचिव पशुपालन, गोपालन और मत्स्य डॉ समित शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को पशुधन भवन के सभागार में पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। समीक्षा बैठक में पशुपालन निदेशक तथा आरएलडीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ आनंद सेजरा, अतिरिक्त निदेशक डॉ सुरेश मीना, डॉ विकास शर्मा तथा पशुपालन विभाग के वित्तीय सलाहकार मनोज शांडिल्य सहित विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में सेक्स सॉर्टेड सीमन, मंगला पशु बीमा योजना, भारत पशुधन एप, निःशुल्क आरोग्य योजना तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। संबंधित अधिकारियों ने इन विषयों पर प्रस्तुति दी। शासन सचिव डॉ. शर्मा ने क्लीनिकल विषयों जैसे मेडिसिन, सर्जरी एवं गायनोलॉजिकल विषयों में विशेषज्ञता प्राप्त पशु चिकित्सा अधिकारियों को पॉलीक्लिनिक में नियुक्त करने के निर्देश दिए, जिससे पशुपालकों को विशेषज्ञ सेवाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने इस कार्य को शीघ्रता से क्रियान्वित करने पर बल दिया। शासन सचिव ने जिलों के नोडल अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सम्बन्धित जिले की संस्थाओं में विभागीय कार्मिकों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित करें।

बुजुर्गों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने का प्रयास

■ 28 मई को वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए सभी जिला मुख्यालयों पर होगा एक दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग अपनी तरह के अनूठे नवाचार के साथ प्रदेश के बुजुर्गों (वरिष्ठ नागरिकों) के कल्याण और सशक्तिकरण के साथ सामाजिक ताने-बाने को मजबूती देने का प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में विभाग द्वारा 28 मई को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान के सभागार में राज्य स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसी तरह की कार्यशाला प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित की जाएगी, ताकि बुजुर्ग स्वयं को हर स्तर पर मजबूत और सशक्त महसूस करें।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने प्रदेश भर के वरिष्ठ नागरिकों को जिलों में होने वाली कार्यशालाओं में जुड़ने का किया आव्हान है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और विभाग की मंशा बुजुर्गों (वरिष्ठ नागरिकों) को मानसिक, शारीरिक, कानूनन हर तरीके से स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने की है। उन्हें किसी पर तरह से दूसरों पर आश्रित नहीं रखने की है। वे स्वस्थ रहेंगे तो सामाजिक ताना-बाना भी मजबूत रहेगा।

गहलोत ने बताया कि 28 मई को प्रदेश भर में आयोजित होने वाली के कार्यशालाओं में जिले के नामचीन मनोवैज्ञानिक, श्रेष्ठ योग प्रशिक्षक, बेहतरीन आहार विशेषज्ञ, स्वयं सेवी संस्था, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के जिलाधिकारी, पुलिस, सायबर सेल के अधिकारी एवं जिला प्रशासन के अधिकारी सम्बंधित विभिन्न विषयों पर परामर्श देंगे। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय कार्यशालों में लगभग 75 से 300 प्रतिभागियों (जिसमें 75 प्रतिशत बुजुर्ग, 15 प्रतिशत युवा व 10 प्रतिशत अन्य) की भागीदारी के अतिरिक्त जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य सदस्य की उपस्थिति रहेगी। इस दौरान बुजुर्गों का युवाओं से भी संवाद करवाया जाएगा।